# दरियाई घोड़े जितना भारी

## भार का सवाल

एक खाली ठेले को धक्का देकर रोल करें.

मिट्टी से भरे ठेले को धक्का देकर रोल करें.

आप ठेले को रोल नहीं कर पाएंगे

क्योंकि वो मिट्टी से भरा हुआ है.

क्यों नहीं?

क्योंकि वो बहुत भारी होगा!

भारी का क्या मतलब है?

जैसे कीचड़ में फंसी कार को धक्का देना
मुश्किल होगा- वो बहुत भारी होगी.
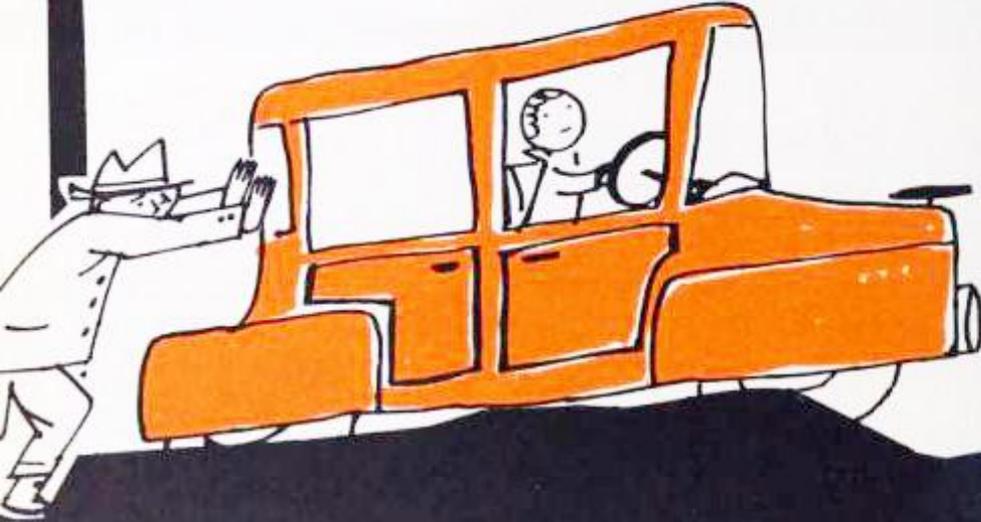
आप किसी चीज़ को उठाने की कोशिश करते हैं
पर आप उसे नहीं उठा पाते हैं -
क्योंकि वो भारी होती है.
एक बड़े पत्थर की तरह भारी.
बालू के ढेर जितनी भारी.
क्योंकि वो भारी होती है. . .

एक दरियाई घोड़े जितनी.
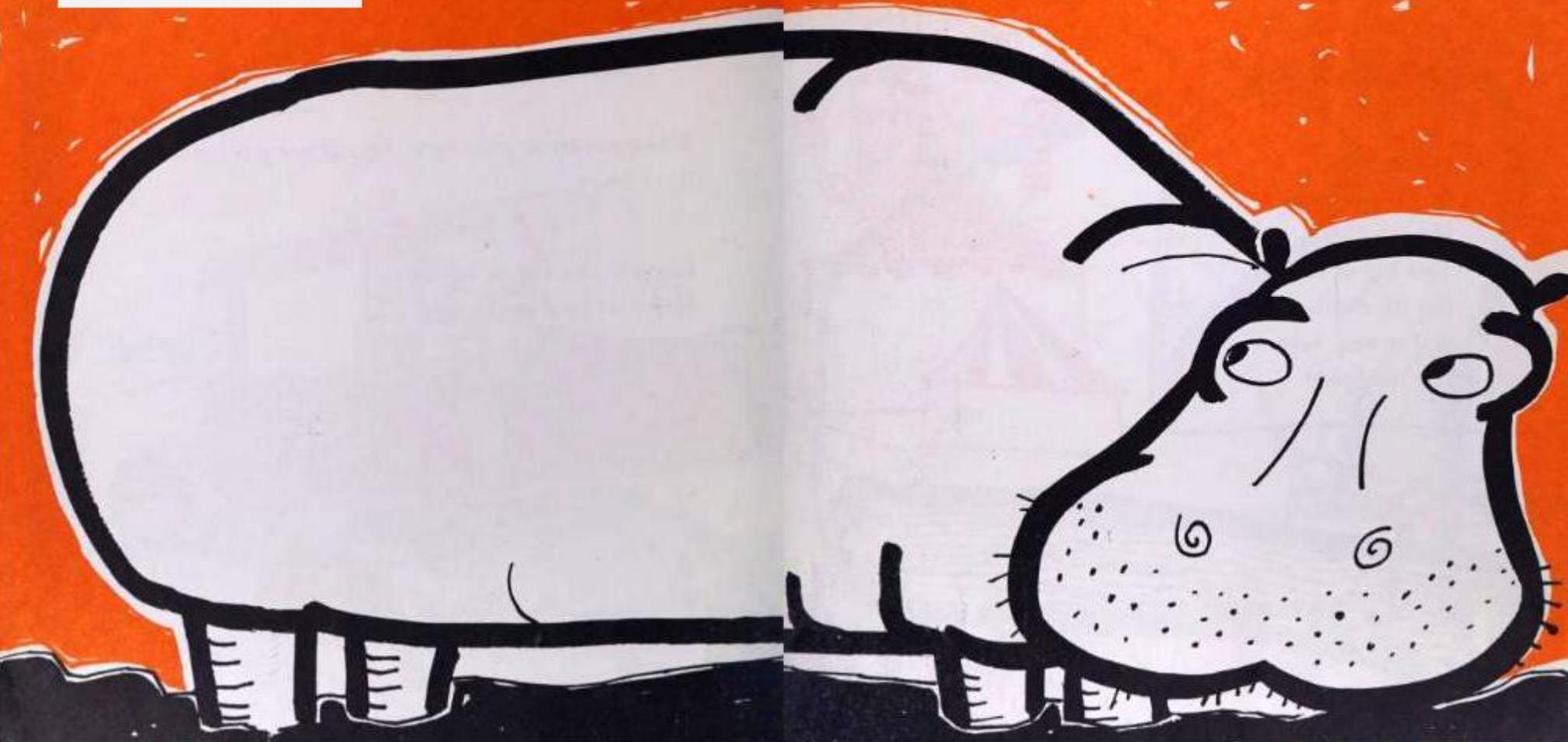
भारी चीज़ वो होती है जिसे उठाना
कठिन हो या जिसे हिलाना
या धक्का देना कठिन हो.

लेकिन देखो - यहाँ एक हाथी है
वो लकड़ी का बहुत भारी तना उठाए है.
वो तना बहुत भारी लग रहा है. लेकिन
हाथी ने उसे इतनी आसानी से उठाया है
जैसे वो एक तिनके जितना हल्का हो!
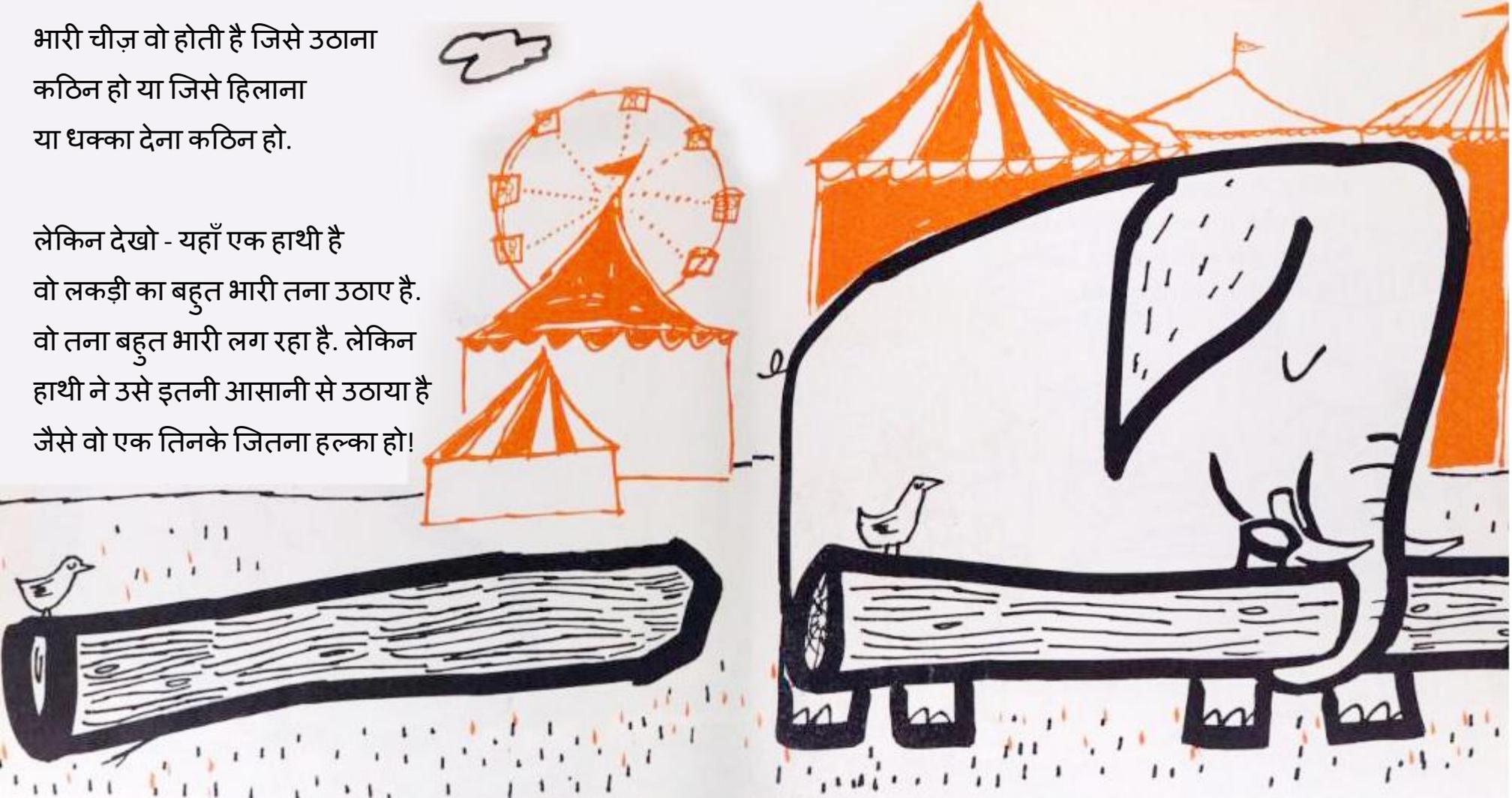
देखो यहाँ एक चींटी रेंग रही है,

वो रोटी का एक टुकड़ा खींच रही है

वो रोटी का एक सूखा टुकड़ा है -

लेकिन चींटी उसे खींचने में कड़ी मेहनत कर रही है!

उसके लिए वो टुकड़ा ढोना एक भारी काम है.

क्या आप एक पेड़ के तने को उठा सकते हैं?

क्या आप एक रोटी के टुकड़े को ले जा सकते हैं?

यह एक बेवकूफी का प्रश्न है!

बेशक आप एक रोटी के टुकड़े को उठा सकते हैं -

क्योंकि वो बहुत हल्का है.

क्यों, कभी-कभी एक रोटी का टुकड़ा

अपने चेहरे पर गलती से चिपक जाता है

और आप बिना कोई मेहनत करे उसे ढोते हैं.

लेकिन पेड़ का तना - वो बहुत बड़ा होता है,

वो जंगल के एक विशाल पेड़ का तना है.

आप चाहें कितना ज़ोर लगाएं

लेकिन उसे अपनी जगह से टस-से-मस नहीं कर सकते,

बिल्कुल भी नहीं हिला सकते हैं

क्योंकि वो आपके लिए बहुत भारी है.

जो हल्का है
हाथी के लिए
वो आपके लिए भारी है.
जो आपके लिए हल्का है?
वो चींटी के लिए भारी है.

सब इस बात पर निर्भर करता है
कि आप कौन हैं. उसके हिसाब से ही
आपको कोई चीज़ भारी या हल्की लगेगी.
फिर हमें यह कैसे पता चलेगा
कि किसी चीज़ का असली भार क्या है?
और आपको यह कैसे पता चलेगा
कोई चीज़ वाकई में हल्की है या भारी?
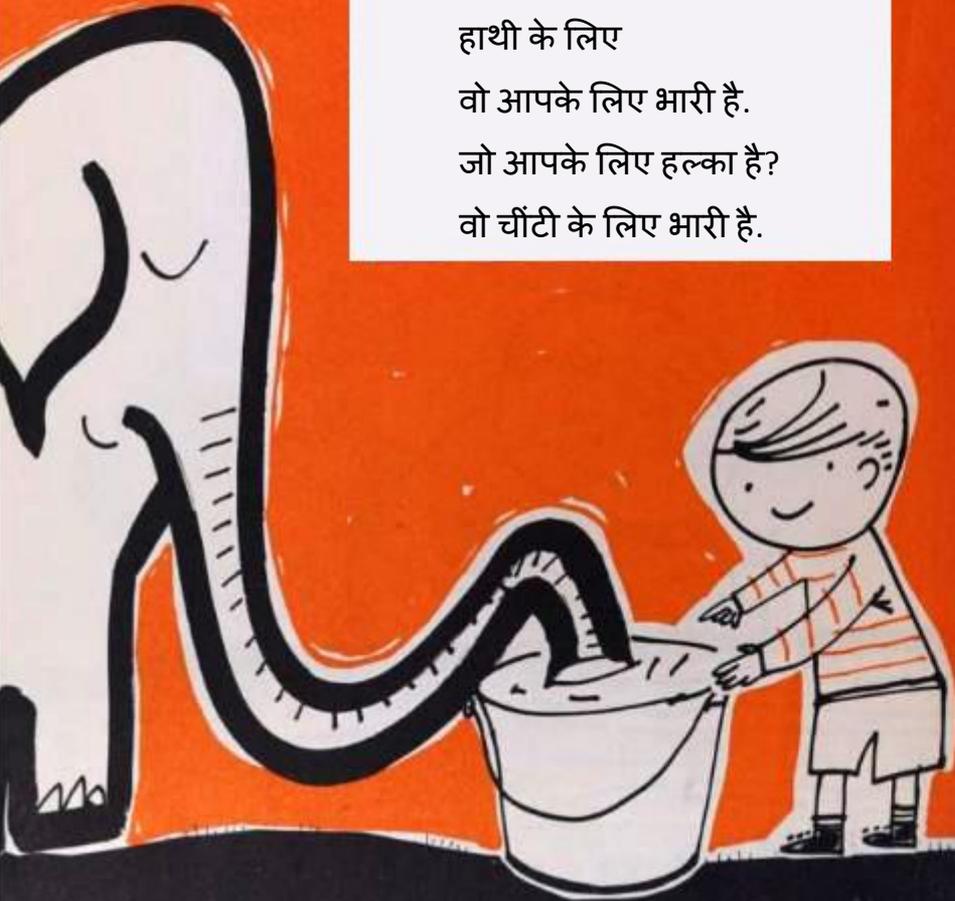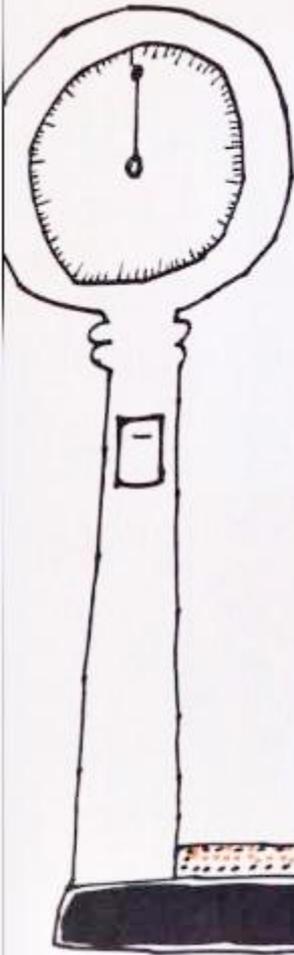
जब आप किसी वस्तु के
भारी या हल्की होने
की बात करते हैं,
तो आप उसके "भार"
की बात करते हैं.
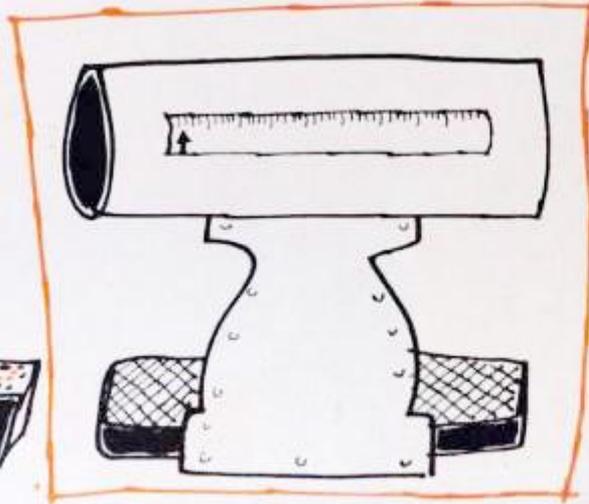
एक ग्राम, एक निश्चित वजन है.
एक ग्राम भारी नहीं होता है.
एक ग्राम काफी हल्का होता है.

इस वडे का वजन 50 ग्राम होगा.
वो कोई बहुत भारी वज़न नहीं है
आप एक वडे को आसानी से उठा सकते हैं.
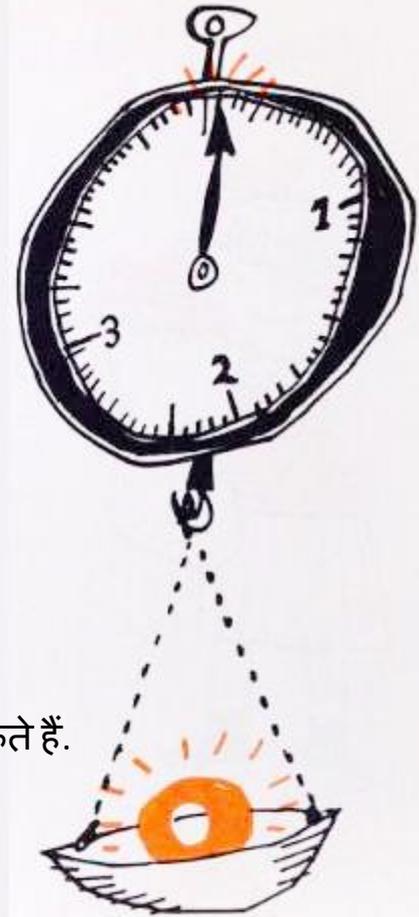
आप एक साथ कई सारे वडे उठा सकते हैं,
अगर वे एक थैली में हों जिसमें
से वे गिरे नहीं.
और अगर आप 20 वडे उठा रहे हैं,
और हरेक का वजन 50 ग्राम है,
तो आप एक किलो का भार उठा रहे होंगे.

एक किलो, एक ग्राम से कहीं अधिक भारी होगा.
जिस चीज़ का भार 1000-ग्राम होगा
वो एक किलो वज़न की होगी.
यह जरूरी नहीं है की वो वडे ही हों.
वो चीज़ मूंगफली, भेड़ का बच्चा
या कुछ और भी हो सकती है.
लेकिन अगर इसका वजन 1000-ग्राम है
तो वो एक किलो की ही होगी.

एक किलो चीनी,

एक किलो कॉफी,

आलू का पांच किलो का बोरा -

और आप का?

आपका वजन कितने किलो है?

आपका वज़न 20 या 30
या 40 किलो हो सकता है
या शायद
60 किलो भी!

क्यों, यदि आपका भार 60 किलो
का होगा तो आपका भार आलू के
12 बोरों के समान होगा.
आप देखने में आलू के 12 बोरों
जैसे नहीं दिखेंगे, लेकिन आपका
वजन उनके बराबर ज़रूर होगा

वजन किसी चीज़ के भारीपन या हल्केपन को बताता है. वज़न का चीज़ के आकार, या रंग के साथ कुछ लेना-देना नहीं होता है.
वो चीज़ गोल या चौकोर, ईंटों का ढेर या फिर सफ़ेद बालू हो सकती है.
एक किताब का भार एक बिल्ली के समान हो सकता है. एक ध्रुवीय भालू का वजन एक पेड़ के तने जितना हो सकता है.
और आपका भार आलू के 12 बड़े बोरों जितना हो सकता है.
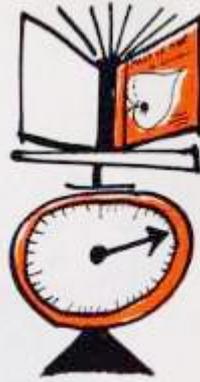
यह मूर्खतापूर्ण लग सकता है, लेकिन ऐसा ही होता है - क्योंकि वजन का सरोकार किसी भी चीज़ के भारीपन या हल्केपन के साथ होता है.

आप कह सकते हैं, "अरे, मुझे वजन से क्या लेना-देना? मुझे इससे क्या मतलब कि कोई चीज़ कितनी भारी या हल्की है. मैं उसकी क्यों परवाह करूं? अगर मैं एक केक के टुकड़े को आसानी से उठा सकता हूं, तो मेरे लिए वो हल्की होगी."

अगर उसे उठाने में मुझे मुश्किल होगी तो मेरे लिए वो वो चीज़ भारी होगी. मुझे पता है कि एक दरियाई घोड़ा भारी होता है. लेकिन मैं किसी दरियाई घोड़े को भला क्यों उठाना चाहूंगा!"
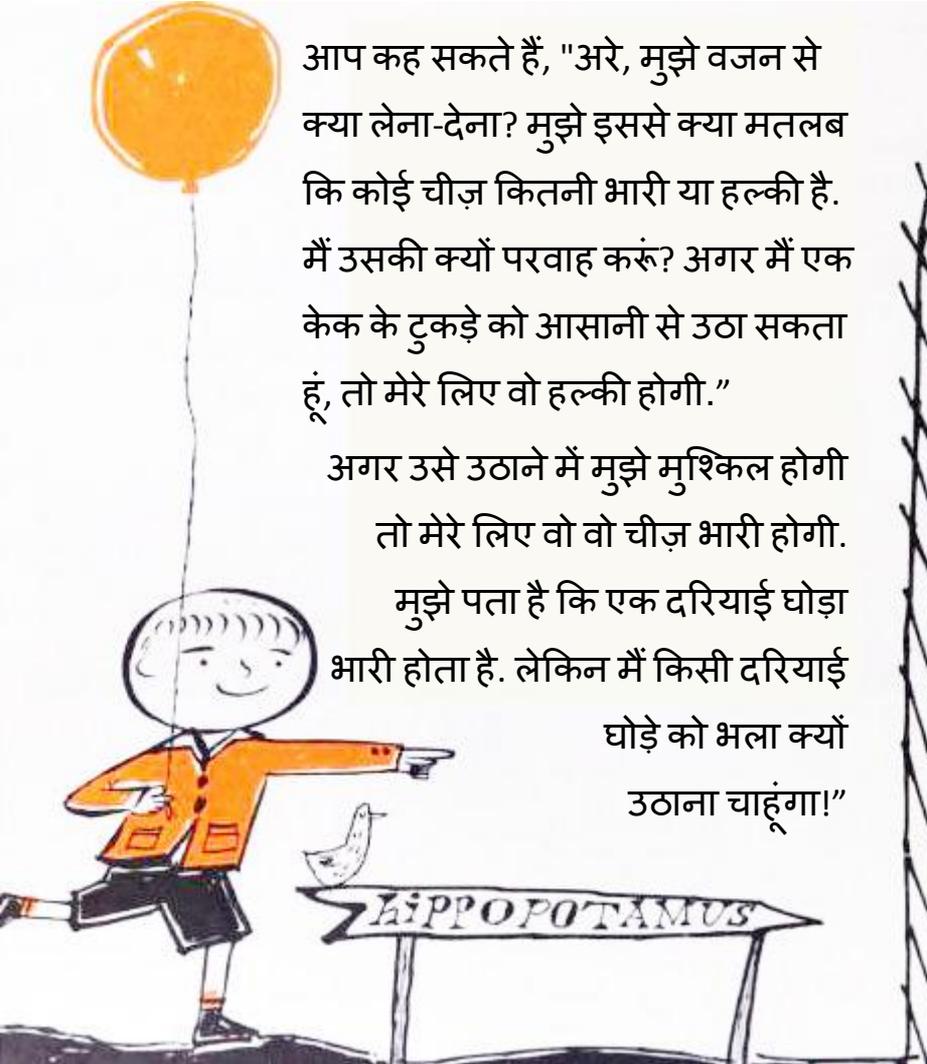
कभी-कभी वजन करके चीजों का लेनदेन आसान हो जाता है.

मान लीजिए कि आप स्टोर में जाते हैं और कहते हैं, "मुझे दस रूपए कीमत की जेलीबीन्स दो?“
तो दुकानदार क्या करेगा?
क्या वो गिनकर आपको 4 या 5 जेलीबीन्स देगा?

क्या वो एक थैली में उन जेलीबीन्स को डालेगा और कहेगा, "यह रहीं दस रुपए की जेलीबीन्स?

नहीं, वो उन्हें थैली में नहीं डालेगा. वो उन जेलीबीन्स को तराज़ू पर तोलेगा. "नहीं, वो अभी कम हैं." फिर वो थैली में कुछ और जेलीबीन्स डालेगा. "यह रहीं दस रूपए की 100 ग्राम जेलीबीन्स!"

वजन करके आप आसानी से चीजों की गिनती भी कर सकते हैं.
मान लीजिए कोई आदमी कोयला खरीदना चाहता है. वो कहता है, "देखो मुझे अपने घर को गर्म करने के लिए आठ हजार, तीन सौ सैंतालीस कोयले के टुकड़े चाहिए."
उन कोयले के 8,347 टुकड़े गिनने में पूरा एक दिन लगेगा!
इसलिए वो कहेगा, "मुझे एक टन कोयला चाहिए."

एक टन, 1000-किलो होता है. एक टन बहुत भारी होता है. एक टन हमेशा 1000-किलो होता है. इसलिए पूरे दिन कोयला गिनने की बजाए वजन के हिसाब से ही कोयला खरीदना ज्यादा आसान होगा!

किसी चीज के 100-ग्राम का वजन हमेशा-100 ग्राम ही होगा. एक किलो का वजन हमेशा एक किलो ही होगा. और 1,000-किलो कोयला हमेशा एक टन ही होगा चाहें इस पूरी दुनिया में उसे कोई भी उठाने की कोशिश करे.

समाप्त